Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
बकरी पालन

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	लखदाता स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	थाना चौकी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	बलद्वाडा
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार:- डीएमयू सुकेत, एफटीयू बलद्वाडा और लखदाता स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3-4
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	8
उत्पादन प्रक्रियाएं।	8
उत्पादन योजना का विवरण	9
विपणन / बिक्री का विवरण	9-10
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
स्वोट अनालिसिस	10
संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	10-11
परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	11
अर्थशास्त्र का सारांश	12
लाभ लागत विश्लेषण	13
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	13
टिपणी	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15-16

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

थाना चौकी वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " लखदाता " स्वयं सहायता समुह, बकरी पालन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत

है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने बकरी पालन करने का फैसला किया। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल सुकेत, किरण माला फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर बलद्वारा परिक्षेत्र, श्रीमती प्रेम लता वन रक्षक, त्रिफालघाट बीट और श्री कुलदीप चन्द, वनखंड अधिकारी, वन खंड बलद्वाडा शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि प्र व से के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

थाना चौकी वन ग्रामीण विकास समिति:-

थाना चौकी वन ग्रामीण विकास समिति, थाना चौकी राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है । इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत नवानी में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के बलद्वाडा ब्लॉक में स्थित है और 31°30'53.71"N अक्षांश- 76°47'35.10"E देशांतर के बीच स्थित है। थाना चौकी वन ग्रामीण विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के बलद्वारा वन परिक्षेत्र के तहत बलद्वारा वन खण्ड के त्रिफालघाट बीट के अंतर्गत आता है ।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

वन ग्रामीण विकास समिति मंडी रियासत के किले के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ मंडी रियासत का पुलिस थाना और चौकी की स्थापना की गई थी। इस वार्ड का किला प्रसिद्ध है ।

परिवारों की संख्या	116
बीपीएल परिवार	11 =9.49%
कुल जनसंख्या	465
कुल मवेशी	704

स्वयं सहायता समुह का विवरण

लखदाता स्वयं सहायता समुह का गठन फ़रवरी 2021 में थाना चौकी वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

लखदाता स्वयं सहायता समुह महिला समूह (बारह महिलाए) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 12 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	हंसा कुमारी W/O आशा धर	प्रधान	सामान्य	36	दसवीं	8350967809
2.	सरस्वती देवी W/O राम सिंह	उप प्रधान	"	35	दसवीं	—
3.	कुमारी देवी W/O शेर सिंह	सचिव/कोषाध्यक्ष	"	32	आठवीं	9459438743
4.	पूनम देवी W/O संजीव कुमार	सदस्य	"	24	दसवीं	8628877526
5.	सुलोचना देवी W/O रविकांत	"	"	30	दसवीं	6230076098
6.	सविता देवी W/O राम लाल	"	"	36	पाँचवीं	8351964647
7.	रीना देवी W/O नेकलाल	"	"	29	दसवीं	7876429584
8.	प्यारी देवी W/O प्रेम राम	"	"	49	पाँचवीं	8988183955
9.	सखी देवी W/O नंदलाल	"	"	43	पाँचवीं	8628031737
10.	पुष्पा देवी W/O निशांत	"	"	26	बारहवीं	9882112335
11.	संकुतला देवी W/O जुगलाल	"	"	42	दसवीं	9418377658
12.	स्वाती ठाकुर W/O अवधेश	"	"	27	दसवीं	9816154542
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की फोटो

हंसा कुमारी (प्रधान)

सरस्वती देवी (सचिव)

कुमारी रेणू (सदस्य)

फूलमा देवी (सदस्य)

पूनम देवी (सदस्य)

सुन्की देवी (सदस्य)

रीना देवी (सदस्य)

प्यारी देवी (सदस्य)

शकुन्तला देवी (सदस्य)

रजनी ठाकुर (सदस्य)

पूजा देवी (सदस्य)

लखदाता स्वयं सहायता समूह थाना चौकी

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	लखदाता
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	थाना चौकी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	बलद्वाडा
डीएमयू/वन मंडल का नाम	::	सुकेत
गांव	::	थाना चौकी
खंड	::	बलद्वाडा
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	12
गठन की तिथि	::	2021
बैंक का नाम और विवरण	::	HP State Cooperative Bank Trifalghat
बैंक खाता संख्या	::	12410107921
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.1200/-माह
कुल बचत	::	32000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	132 किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	: :	1 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	त्रिफालघाट 10 किमी, बलद्वाडा 22 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	त्रिफालघाट 10 किमी, बलद्वाडा 22 किमी, सुंदरनगर 32 किलोमीटर लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदरनगर, त्रिफालघाट, मंडी, लेदा, थाना चौकी
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (स्थानीय पशु पालन विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	बकरी पालन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्यूंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा कृषि से अपनी कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए बकरी पालन का व्यवसाय चुना जिससे समूह की आय के साथ साथ दूध की आवश्यकता भी पूरी होगी बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं

स्थानीय पशु पालन विभाग तथा स्थानीय लोगों की बकरी पालना के बारे में जाईका परियोजना द्वारा जानकारी साँझा की जाएगी जिससे लोगों में सुरोही नस्ल को पालने के बारे में जागरूकता होगी। जो स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाएगी है।

समूह को शुरू में कुल 37 बकरियां दी जाएंगी, जिनमे एक बकरा होगा, बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम तथा बकरा 9-12 महीने आयुवर्ग में जिसका वजन 17-20 किलोग्राम हो । यह बकरा इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। पूरे समूह का पशुधन समूह की सम्पत्ति होगी तथा बिक्री के पश्चात् धन समूह के सदस्यों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्तुत किये गये पशुधन के अनुसार वितरित होगा । पशुधन की अकस्मात् या दुर्घटना की स्थिति में मृत पशु का समूह के निर्णय द्वारा निपटान किया जायेगा । समय समय पर समूह द्वारा बेचने योग्य पशुधन सम्बंधित सदस्य की सहमती से स्वयं व समूह द्वारा एकल एवं संयुक्त रूप में बेचा जायेगा ।इसी तरह समूह में बकरी दूध का निपटान भी समूह द्वारा मूल्यवर्धन करके (जैसे कि पैकेजिंग इत्यादि) किया जायेगा ।

उत्पादन योजना का विवरण:

उत्पादन चक्र (6 मास)	::	मंडी जिले में बकरी पालन पुरे वर्ष की जाती है। समूह को शुरू में कुल 37 बकरियां दी जाएंगी, जिनमे एक बकरा होगा, बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम तथा बकरा 9-12 महीने आयुवर्ग में जिसका वजन 17-20 किलोग्राम हो । यह बकरा इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। अगले 6 मास के बाद पशुधन में वृद्धि प्रजनन द्वारा होगी जिसमे की सुरोही नस्ल की बकरियां आमतोर पर एक से दो बच्चे देती है । जिससे उस समूह में बकरियों की संख्या दो से अढ़ाई गुना बढ़ेगी। जिन्हें अगले तीन महीने में समूह द्वारा निपटान कियाजाएगा ताकि अगली बकरियों की पैदावार सुनिश्चित की जाए ।
जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	प्रारंभ में पूरा समूह रैक लगाने/निर्माण करने, कमरे को साफ करने और पशुधन लाने एवं उनका रखरखाव आदि के लिए काम करेंगे। अगले 180-365 दिनों के लिए सभी व्यक्ति 1-2 घंटे घास कटाई, चराई एवं सफाई के लिए काम करेंगे । विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय पशु पालन विभाग एवं अन्य बाह्य संस्थान
अन्य का स्रोत साधन।	::	-उपरोक्त-

विपणन / बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	स्थानीय पशु व्यापारी एवं सुंदरनगर, त्रिफालघाट, मंडी, लेदा, थाना चौकी
इकाई से दूरी	::	लेदा 5 किमी, मंडी 45 किमी, सुंदरनगर 55 किमी।
बाजार में उत्पाद की मांग		बकरी मास की मांग साल भर रहती है।
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	उपरोक्त सभी कस्बे में मांस बेचने का बाजार सुस्थापित है ।
बाजार पर मौसम का प्रभाव।	::	मास पूरे वर्ष उच्च मांग में रहता हैं। हालांकि, सर्दियों के दौरान इसकी मांग अधिक बढ़ जाती है।
उत्पाद के संभावित खरीदार।	::	संभावित बाजार, बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है ।
क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता।	::	सभी नागरिक / परिवार।

उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	
उत्पाद नारा	::	सुरोही बकरी

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयम को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस मे श्रम विभाजन करेंगे।

SWOT विश्लेषण

विवरण / आइटम	**:**	**विवरण**
ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, और पहले से हि बकरी पालन करते है एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह
मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
खतरा	::	समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी

संभावित खतरों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

संभावित जोखिम	**:**	**उपाय करने के लिए कम करने के लिए उन्हें।**
1. एक ही समय मे हानिकारक संक्रमण पुरे बकरी समूह को नस्ट कर सकता है 2. बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण एवं रखरखाव	: :	सबसे पहले बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण और उसकी साफ़ सफाई का ध्यान रखें । पशु रखने से पहले फॉर्मेलिन/फिनायल के घोल से कमरे में स्प्रे करें कमरे में प्रवेश कर रहा है। फिनायल का नियमित स्प्रे करें। पेट के कीड़ों की दवाई नियमित पिलायें

समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	: :	कलह को मिटाने के लिए कारण को प्रारंभिक चरण में निपटाया जायेगा। समूह के सभी सदस्यों के लिए समान अनावरण, समान लाभ का बंटवारा, हर सदस्य को आदर और सम्मान देने की आवश्यकता।
बाज़ार		बाजार हमेशा उपलब्ध है
उत्पादन	:	बाजार के हिसाब से धीरे-धीरे उत्पादन को बढ़ाया जाएगा

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण।

परियोजना की लागत	संख्या	मूल्य	राशि रु में
पूंजी लागत			
बाँस के शैड/ऊँचे बैठने की जगह का निर्माण	12	2000	24000
9-12 महीने आयुवर्ग का बकरा	1	10000	10000
6-8 माह आयुवर्ग, वजन लगभग 10-12 किलोग्राम की बकरियां	36	7000	252000
ए कुल पूंजी लागत			**286000**
आवर्ती लागत			
संतुलित राशन, गेहूं का भूसा, हरा चारा एवं अन्य व्यय 22.5 क्विंटल X37 @ रुपये। 550/- प्रति क्विंटल/पशु	22.5 क्विंटल X37	550	457875 or say 458000
बी कुल आवर्ती लागत			**458000**
कुल परियोजना लागत (ए+बी)=286000+458000=744000			**744000**

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	मात्रा	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत		458000
पशु वृद्धि	45	315000
पशु वृद्धि का विक्रय मूल्य	1	7000
आय सृजन (45x7000)		315000
खाद की बिक्री	90क्विंटल	9000
शुद्ध लाभ (315000+286000+9000-458000)		152000+बकरियों के वजन एवं मूल्य में वृद्धि (286000)= 438000
शुद्ध लाभ का वितरण		• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	286000	214500	71500
कुल आवर्ती लागत	458000	0	458000
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	90,000	90,000	0
कुल	**834000**	**304500**	**529500**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा शेष 25% स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समुह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

लागत लाभ विश्लेषण:

= आय+वर्तमान मूल्य/ आवर्ती लागत+ पूंजी लागत

=324000+572000/458000+286000

896000/744000

= 1.20 जो काफी टिकाऊ है।

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य -उत्पादन की लागत
= 286000/ (324000-114500)

=286000/209500

= 1.36

इस प्रक्रिया में पहली बार नए पैदा हुए बच्चे बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा ।

निगरानी विधि -

- बीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 286000/-

आवर्ती लागत = 458000/-

बकरी पालन के लिए कुल =744000/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थी अंशदान**	**कुल लागत**
1.	**बकरी पालन**	286000	458000	214500	529500	744000
	कुल	**286000**	**458000**	**214500**	**529500**	**744000**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (बकरी पालन) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती हंसा कुमारी	प्रधान	सामान्य	36	Hansa Kumari
2.	" सरस्वती	उप-प्रधान	"	35	Sarswati Devi
3.	" कुमारी रीनू	सचिव	"	32	कुमारी रीनू
4.	" पूनम देवी	सदस्य	"	24	Poonam Devi
5.	" फुलमा देवी	सदस्य	"	30	Phoolma
6.	" ललिता देवी	सदस्य	"	36	ललिता देवी
7.	" रीना देवी	सदस्य	"	29	रीना देवी
8.	" प्यारी देवी	सदस्य	"	49	प्यारी देवी
9.	" संकी देवी	सदस्य	"	43	संकी देवी
10.	" पूजा देवी	सदस्य	"	26	Pooja Kumari
11.	" शकुन्तला देवी	सदस्य	"	42	शकुन्तला
12.	" रजनी ठाकुर	सदस्य	"	27	Rajni
13.					
14.					
15.					

हस्ताक्षर कुमारी शैन्नू
सचिव स्वयं सहायता समूह

प्रधान सचिव
लखदाता स्वयं सहायता समूह
(समान रुचि समूह)
गांव ठाणा, डाकघर पटेड़ा,
त० बल्द्वाड़ा जिला मण्डी (हि०प्र०)

हस्ताक्षर Reena Devi
सचिव ,वन ग्रामीण विकास
समिति

Pardhan Secretary
Thana Chowki Village Forest
Development Society Panchyat Nawani
Teh. Baldwara, Distt. Mandi. (H.P.)

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर Hamsa Kumari
प्रधान स्वयं सहायता समूह

प्रधान सचिव
लखदाता स्वयं सहायता समूह
(समान रुचि समूह)
गांव ठाणा, डाकघर पटेड़ा,
त० बल्द्वाड़ा जिला मण्डी (हि.प्र.)

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास
समिति

Pardhan Secretary
Thana Chowki Village Forest
Development Society Panchyat Nawani
Teh. Baldwara, Distt. Mandi (H.P.)

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी
वन खण्ड अधिकारी
बल्द्वाड़ा

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
Range Forest Officer,
Baldwara Range,
BALDWARA (H. P.)

डीएमयू द्वारा अनुशंसित
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sundernagar (H.P.) - 175018

वन वृत्त समन्वय इकाई द्वारा स्वीकृत
Chief Conservator of Forest (T)
Mandi Forest Circle Mandi (H.P.)